भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

राज्य सभा
तारांकित प्रश्न सं.279
बुधवार, 26 मार्च, 2025 (5 चैत्र, 1947, (शक)) को उत्तरार्थ

भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड

279# सुश्री इंदु बाला गोस्वामीः

क्या **सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) ने कार्य करना आरंभ कर दिया है;
(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या यह सच है कि यदि किसान विगत फसलों से बचाए गए बीज से खेती करता है तो उसकी पैदावार में बढ़ोतरी होती है; और
(घ) क्या सरकार की इस सहकारी समिति में कोई हिस्सेदारी है?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क) से (घ): सदन के पटल पर एक विवरणी रखी है ।

दिनांक 26 मार्च, 2025 को उत्तरार्थ सुश्री इंदु बाला गोस्वामी, माननीय संसद सदस्य द्वारा "भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड" के संबंध में पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. 279 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) से (ख): जी हां, मान्यवर । सहकारिता मंत्रालय ने बहुराज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 2002 के अधीन भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL) की स्थापना की है । भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड को इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर लिमिटेड (IFFCO), कृषक भारती सहकारी लिमिटेड (KRIBHCO), भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ मर्यादित (NAFED), राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) द्वारा प्रवर्तित किया गया है । भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड की चुकता पूंजी 250 करोड़ रुपये है जिसमें प्रत्येक प्रवर्तक द्वारा 50 करोड़ रुपये का अंशदान शामिल है और इसकी प्राधिकृत शेयर पूंजी 500 करोड़ रुपये है ।

भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड ने वर्ष 2023 के खरीफ मौसम से कार्य करना शुरू किया है । आज की स्थिति के अनुसार 19,674 सहकारी समितियां भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड के सदस्य बन गए हैं । इसने 1,742 किसानों के माध्यम से 6,160 हेक्टेयर की भूमि में 13 फसलों के 1,79,657 क्विंटल उन्नत बीजों का उत्पादन किया है और फसल की विभिन्न किस्मों के 62,154 क्विंटल बीजों का वितरण किया है । भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड ने 13 राज्यों से बीज लाइसेंस भी प्राप्त कर लिया है ।

(ग) फार्मर्स सेव्ड सीड्स (FSS) बेहतर उपज के लिए उपयुक्त नहीं होते हैं । अच्छे किस्मों के अनुवांशिक क्षमता के वास्तविक उपयोग के कारण उच्च बीज प्रतिस्थापन दर (SRR) और किस्म प्रतिस्थापन दर (VRR) से हमेशा बेहतर उपज सुनिश्चित होती है । खुले परागन वाले किस्मों में स्वयं/क्रॉस परागन से बीजों की गुणवत्ता में अलग-अलग मात्रा में ह्रास होता है जबकि हाइब्रिड बीजों के लिए प्रत्येक वर्ष बीजों को बदलना अनिवार्य होता है ।

(घ) भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL) में सरकार की कोई शेयरधारिता नहीं है ।

*****